श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

अश्विन नवरात्री साधनाएं 2019

[29-9-2019 से 7-10-2019]

[विजय दशमी 08-10-2019]

[दुर्गाष्टमी 06-10-2019]

1) नित्य साधना :- यह साधना सब करे

विधान:- गुरु मंत्र 4 माला जपे और नवर्ण मंत्र के 11 माला जाप करे |

मंत्र -:|| ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चै ||

सामाग्री :- गुरु यंत्र-चित्र,स्फटिक माला, चंण्डी या दुर्गा यंत्र,सफेद हकीक माला या मुंगा माला,लाल वस्त्र धारण करे| पंचोपचार पूजन कर साधना मे बैठे| हवन सामाग्री से हवन करे|

****

2) सब प्रकार के मंगल के लिए

विधान:- गुरु मंत्र 4 माला जपे और नीचे दिये गए मंत्र के 100 माला जाप करे , 7 दिन मे पूरे हो|

सामाग्री :- गुरु यंत्र-चित्र,स्फटिक माला, चंण्डी या दुर्गा यंत्र,सफेद हकीक माला या मुंगा माला,लाल वस्त्र धारण करे| पंचोपचार पूजन कर साधना मे बैठे| घृत-कमलबीज से हवन करे |

मंत्र:- सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वाथसाधिके |
शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोस्तुते ||

****

3) सम्पूर्ण बाधाओं से मुक्ति व – धन-पुत्रादि की प्राप्ति हेतु

विधान:- गुरु मंत्र 4 माला जपे और नीचे दिये गए मंत्र के 50 माला जाप करे , 7 दिन मे पूरे हो|

सामाग्री :- गुरु यंत्र-चित्र,स्फटिक माला, चंण्डी या दुर्गा यंत्र,सफेद हकीक माला या मुंगा माला,लाल वस्त्र धारण करे| पंचोपचार पूजन कर साधना मे बैठे| सरसो(सफेद) व घृत से हवन करे |

मंत्र:- सर्वबाधा विनिर्मुक्तो धन धान्य सुतान्वितः|
मनुष्यो मत्प्रसादेन भविष्यति न संशयः||

****

4) समस्त रोगों की शांति के लिए

विधान:- गुरु मंत्र 4 माला जपे और नीचे दिये गए मंत्र के 100 माला जाप करे |

सामाग्री :- गुरु यंत्र-चित्र,स्फटिक माला, चंण्डी या दुर्गा यंत्र,सफेद हकीक माला या मुंगा माला,लाल वस्त्र धारण करे| पंचोपचार पूजन कर साधना मे बैठे|
सरसो(सफेद),घृत,कालि मिर्च से हवन करे

मंत्र:- रोगानशेषानपहंसि तुष्टा रुष्टा तु कामान् सकलानभीष्टान |
त्वामाश्रितानां न विपन्नराणां त्वामाश्रिता ह्याश्रयतां प्रयन्ति ||

****

5) मनोनुकूल पत्नी की प्राप्ति के लिए

विधान:- गुरु मंत्र 4 माला जपे और नीचे दिये गए मंत्र के 30 माला जाप करे ,7 दिन मे पूरे हो|

सामाग्री :- गुरु यंत्र-चित्र,स्फटिक माला, चंण्डी या दुर्गा यंत्र,सफेद हकीक माला या मुंगा माला,लाल वस्त्र धारण करे| पंचोपचार पूजन कर साधना मे बैठे| घृत से हवन करे |

मंत्र:- पत्नी मनोरमां देहि मनोवृत्तानुसारिणीम् |
तारिणी दुर्गसंसार सागरस्य कुलोद्भवाम ||

****

6) शत्रु विनाश के लिए

विधान:- गुरु मंत्र 4 माला जपे और नीचे दिये गए मंत्र के 100 माला जाप करे ,7 दिन मे पूरे हो|

सामाग्री :- गुरु यंत्र-चित्र,स्फटिक माला, चंण्डी या दुर्गा यंत्र,सफेद हकीक माला या मुंगा माला,लाल वस्त्र धारण करे| पंचोपचार पूजन कर साधना मे बैठे| काली मिर्च व घृत से से हवन करे|

मंत्र:- सर्वाबाधाप्रशमनं त्रैलोक्यस्याखिलेश्वरी |
एवमेव त्वया कार्यमस्मद्वैरी विनाशनम् ||

****